Subject - Psychology
class - UG, Sem - V
Unit - 03, Clinical Assessment & Techniques.
Topic - Purpose of Clinical Assessment.
Date -

Name - Dr. Shyam Sundar Sharma

Ques:- नैदानिक आकलन के उद्देश्यों का वर्णन करें।

Ans:- नैदानिक मनोविज्ञान में नैदानिक आकलन मानसिक रोगियों के उपचार की प्रारंभिक एवं अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके माध्यम से रोगी की मानसिक स्थिति, भावनात्मक दशा, व्यवहार एवं व्यक्तित्व का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।

नैदानिक आकलन के उद्देश्य:-

नैदानिक आकलन के उद्देश्य निम्न प्रकार है-

(1) मानसिक समस्या की पहचान:-

नैदानिक आकलन के अन्तर्गत रोगी की मानसिक समस्या की पहचान करना होता है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्ति सामान्य मानसिक तनाव से ग्रसित है या किसी गंभीर मानसिक रोग से।

(2) सटीक निदान में सहायता:-

नैदानिक आकलन द्वारा मानसिक रोग के सही निदान में सहायक होता है। इसके माध्यम से अवसाद, चिंता, विकार, सिज़ोफ्रेनिया इत्यादि के बीच अंतर स्पष्ट किया जाता है।

(3) समस्या की तीव्रता का निर्धारण:

इसके अन्तर्गत यह निर्धारित किया जाता है कि रोगी की समस्या किस प्रकार का है।

P.T.O

(5) उपचार योजना का निर्माण :- नैदानिक आकलन (Clinical Assessment) का यह महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इसके तहत रोगी के लिए उपयुक्त उपचार पद्धति का चयन किया जाता है।

(6) रोग के कारणों की खोज :- आकलन के द्वारा मानसिक समस्या के जैविक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक कारणों का पता लगाया जाता है।

(7) उपचार की प्रगति का मूल्यांकन :- उपचार के दौरान या उपचार के पश्चात आकलन कर यह देखा जाता है कि उपचार किस हद तक सफल रहा इत्यादि

निष्कर्ष स्वरूप हम कह सकते हैं कि नैदानिक आकलन का उद्देश्य मानसिक रोगी के पहचान के साथ-साथ निदान, उपचार, पुनर्वास एवं मानसिक स्वास्थ्य में वृद्धि इत्यादि भी महत्वपूर्ण है।